फ्लाई ट्रैप्स

कीड़े खाने वाले पौधे

मार्टिन जेनकिंस, चित्र : डेविड पार्किंस

फ्लाई ट्रैप्स

कीड़े खाने वाले पौधे

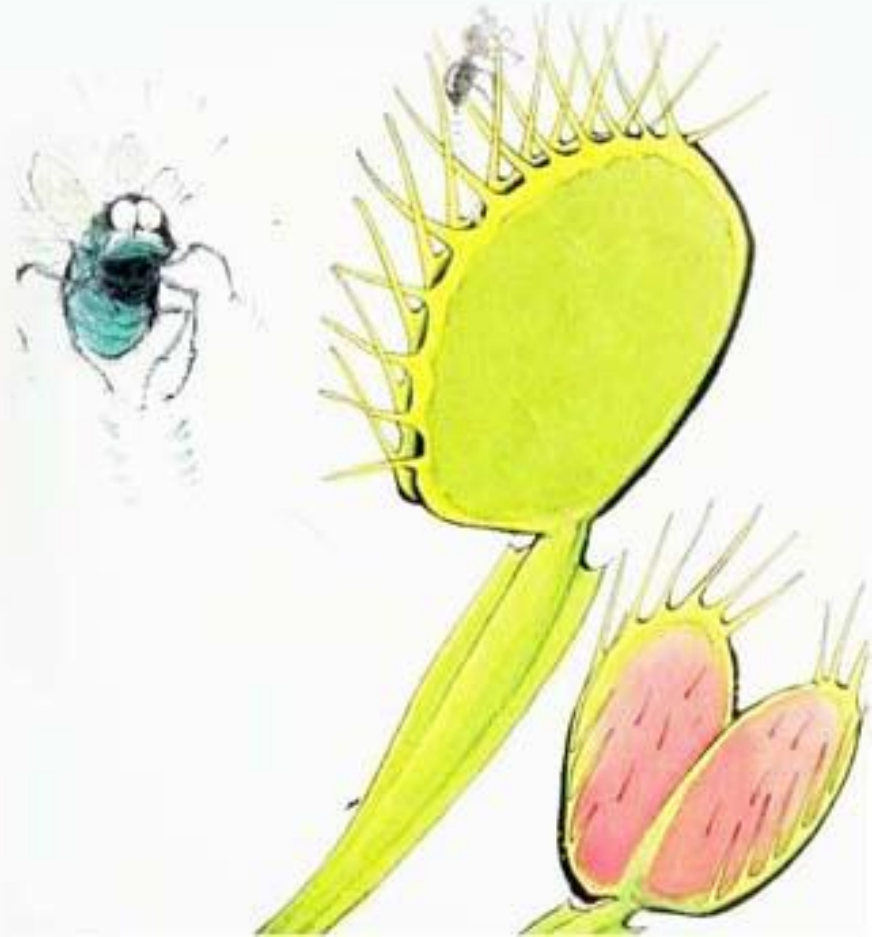

फ्लाई ट्रैप्स

कीड़े खाने वाले पौधे

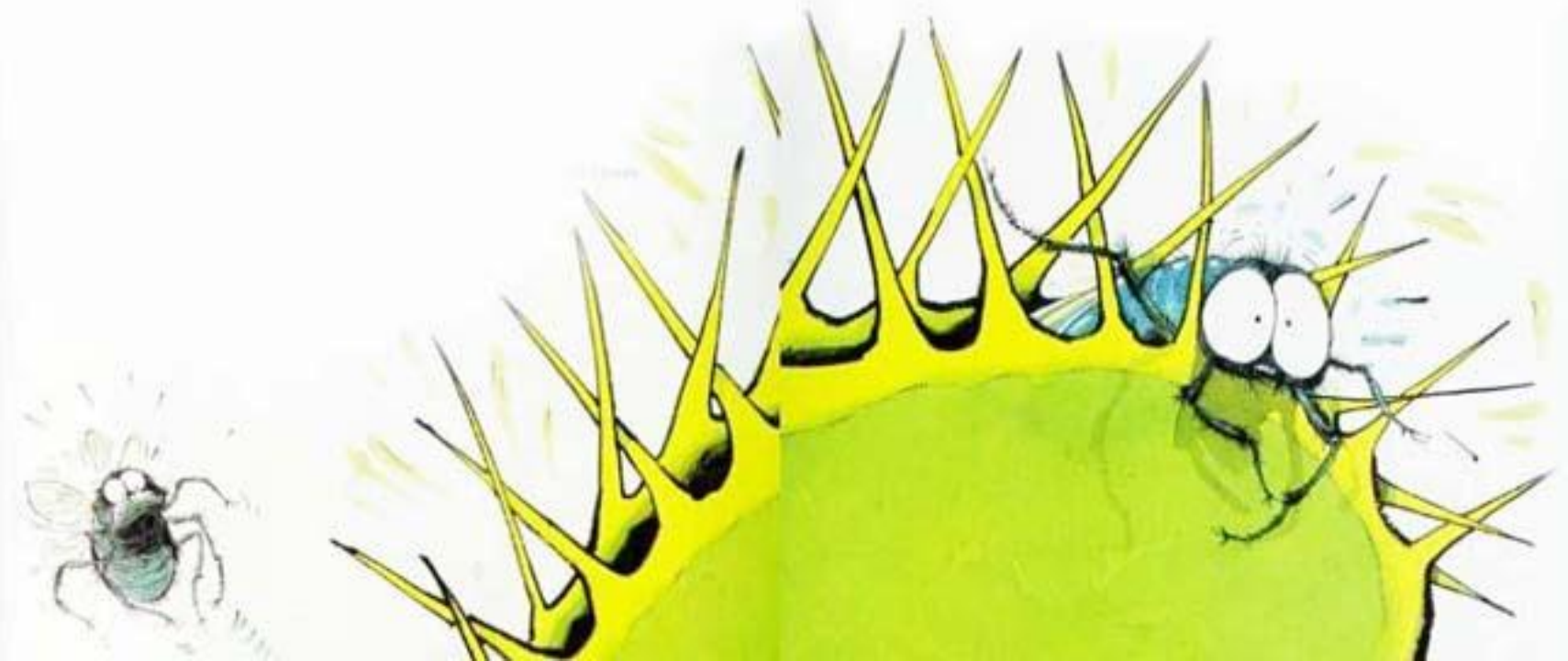

लोग अपने खाली समय में तमाम तरह की चीजें इकट्ठी करते हैं. कुछ लोग मिट्टी के बर्तन इकट्ठे करते हैं. कुछ लोग बोतलों के ढक्कनों से मॉडल बनाते हैं.

कुछ कीड़े-मकौड़े खोजते हैं ...

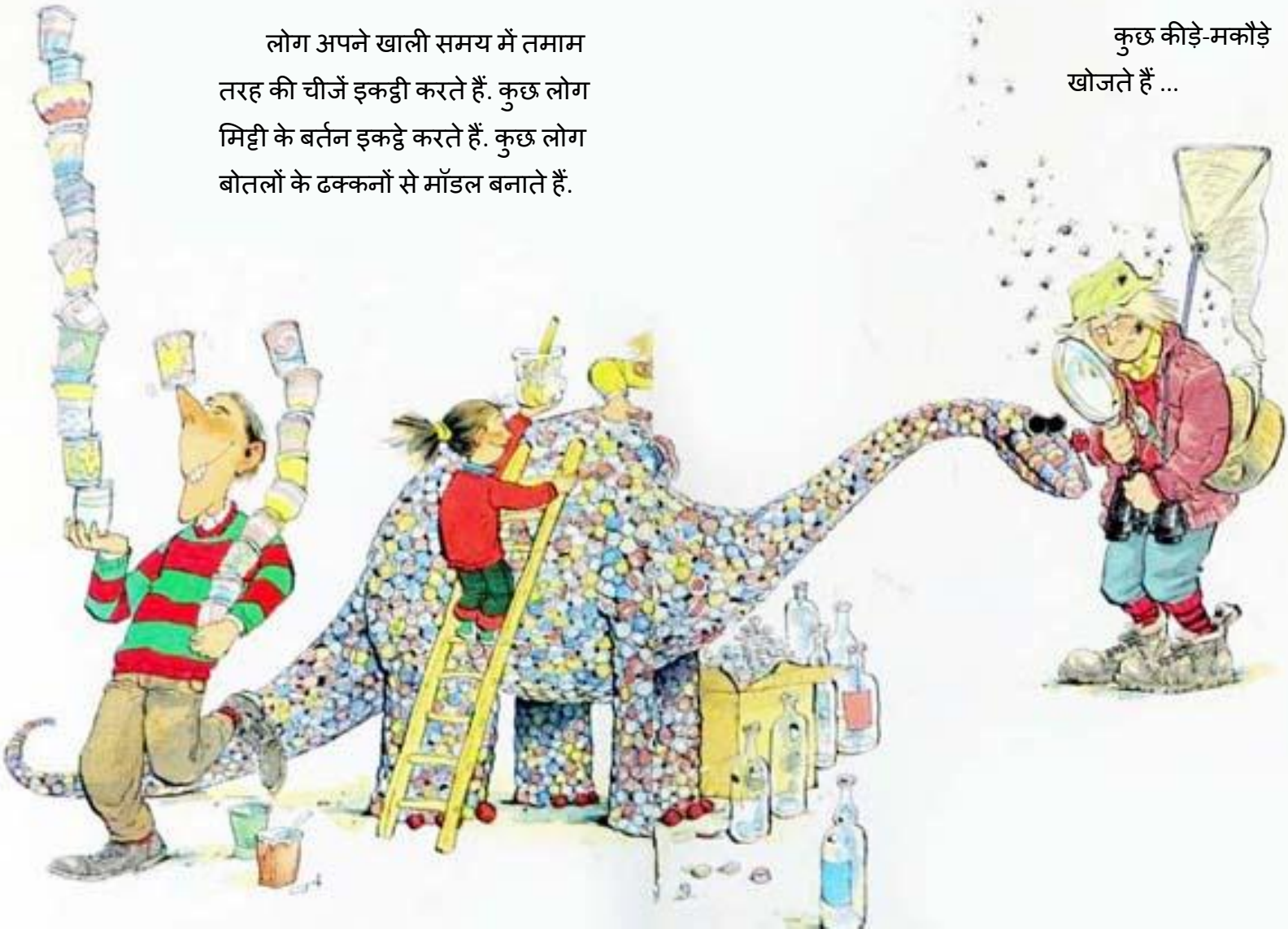

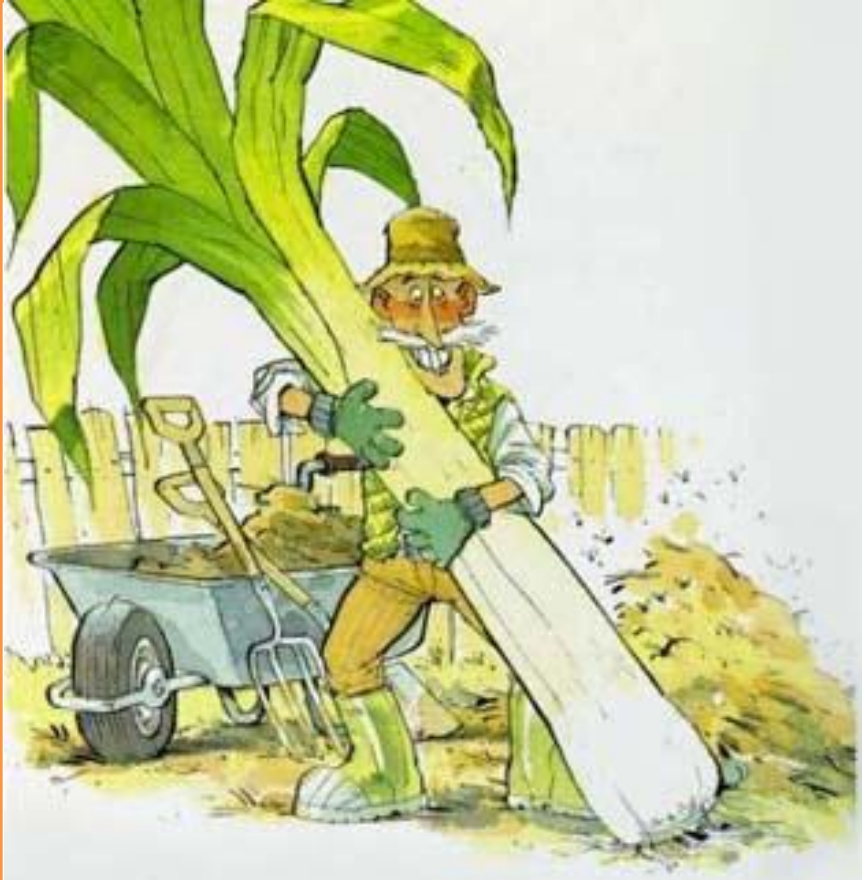

मुझे मांसाहारी पौधे पसंद है.
कार्निवोरस पौधे वे पौधे होते हैं जो
छोटे जीवों को खाते हैं.

और कुछ विशाल-पौधे उगाते हैं ....

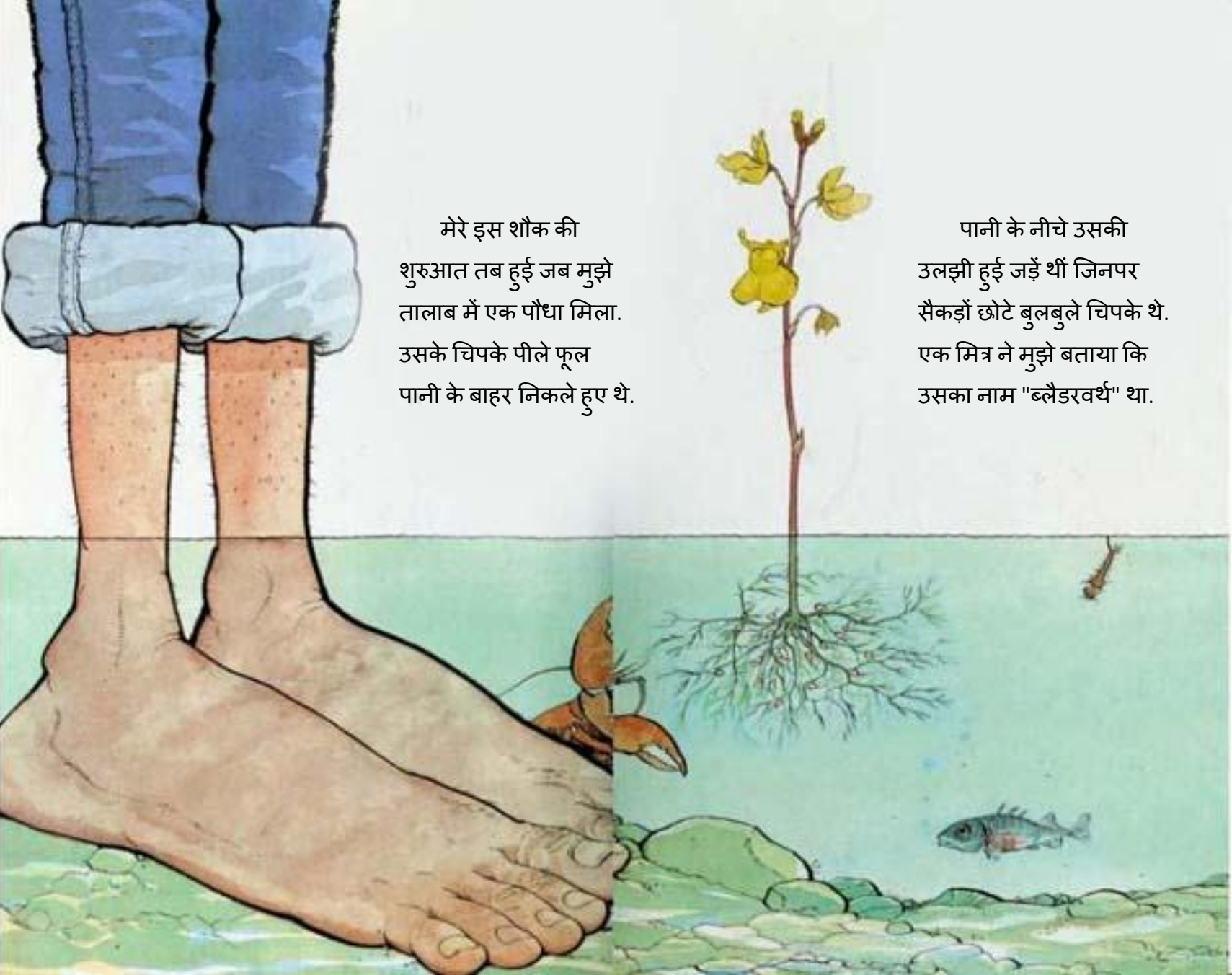

मेरे इस शौक की
शुरुआत तब हुई जब मुझे
तालाब में एक पौधा मिला.
उसके चिपके पीले फूल
पानी के बाहर निकले हुए थे.

पानी के नीचे उसकी
उलझी हुई जड़ें थीं जिनपर
सैकड़ों छोटे बुलबुले चिपके थे.
एक मित्र ने मुझे बताया कि
उसका नाम "ब्लैडरवर्थ" था.

उसने कहा कि उनकी जड़ों के बुलबुले "ब्लैडर" थे. हरेक "ब्लैडर" में झट से बंद होने वाला एक "ट्रैप-डोर" दरवाज़ा था, जिसके चारों ओर छोटे-छोटे ट्रिगर बाल थे.

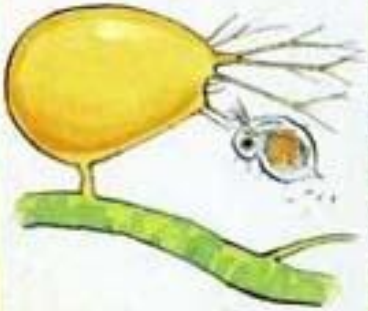

जब भी पानी के पिस्सू (वाटर फ़्लो) या अन्य कोई छोटा कीड़ा उसके किसी बाल को छूता, तो "ट्रैप-डोर" झट से खुलता और कीड़ा उसमें चला जाता.

फिर "ट्रैप-डोर" बंद हो जाता और कीड़े के बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचता. और यह सब पलक झपकते हुए होता.

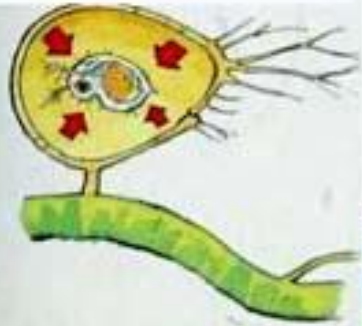

मुझे वो बड़ी चतुराई की बात लगी. बस एक ही मुश्किल थी. उस पौधे के "ट्रैप-डोर" इतने छोटे थे कि मैं असलियत में उन्हें काम करते हुए देख नहीं सकता था. फिर मैंने फैसला किया कि मुझे कहीं से एक बड़ा मांसाहारी पौधा ढूंढना ही होगा. मैंने वो किया.

उसके लिए मुझे एक पहाड़ पर चढ़ना था, और मुझे कीचड़ और मॉस वाली दलदली ज़मीन पर चलना था. लेकिन वहां मॉस में छोटे लाल पौधे थे, जो धूप में चमक रहे थे. मुझे लगा कि वे ओस की बूंदों से ढंके हुए थे, लेकिन ऐसा नहीं था. वे "सनडियू" थे, और वे चमकदार चीज़ें शहद की तरह चिपचिपी थीं.

मुझे यकीन है कि आप ज़रूर अनुमान लगा पाएं होंगे कि वे चमकदार चीज़ें किस लिए थीं?

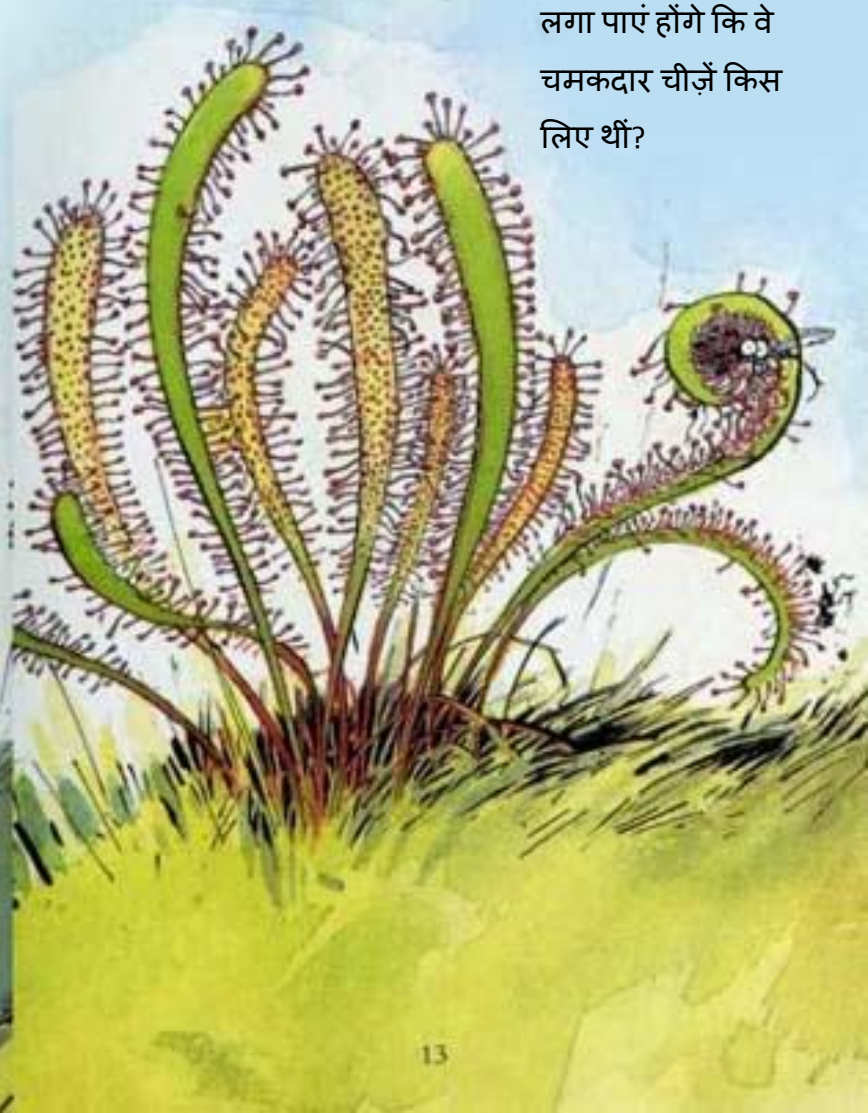

तभी बादल घिर आए और मुझे उन "सनडियू" को छोड़ना पड़ा. लेकिन घर पहुँचने के बाद मैंने अपने लिए "सनडियू" के कुछ बीज मंगाए.

हालांकि, वे बीज साधारण "सनडियू" नहीं थे. वे विशालकाय अफ्रीकी "सनडियू" थे. मैंने उन्हें मॉस से भरे एक बर्तन में बोया और फिर उन्हें कांच से ढक दिया. मैंने रोज़ाना उन्हें बारिश के पानी से ही सींचा.

जल्द ही उनके बीज अंकुरित होना शुरू हुए और मेरे पास दर्जनों छोटे "सनडियू" हो गए. फिर वे बड़े हुए, और अंत में वे इतने बड़े हो गए कि वे चीजों को पकड़ने के लायक बन गए.

फिर एक दिन मैंने उन्हें गलत पानी से सींचा - उससे सभी पौधे मर गए.

उसके बाद मैंने "सनडियू" को छोड़ दिए. फिर मैंने एक "वीनस फ्लाईट्रैप" उगाया. उसे मैंने अपनी खिड़की पर रखा और वो कीड़े पकड़ता था. उसके प्रत्येक पत्ते के बीच में एक कब्ज़ा (हिंज), कई छोटे ट्रिगर बाल, और एक नुकीला रिम था.

जब कोई मक्खी या ततैया एक पत्ती के ऊपर चलती तो वो तब तक पूरी तरह से सुरक्षित रहती जब तक वो किसी भी बाल को नहीं छूती थी. एक बाल को छूने पर भी वो सुरक्षित रहती. लेकिन जैसे ही वो दो बालों को छूती, फिर वो ...

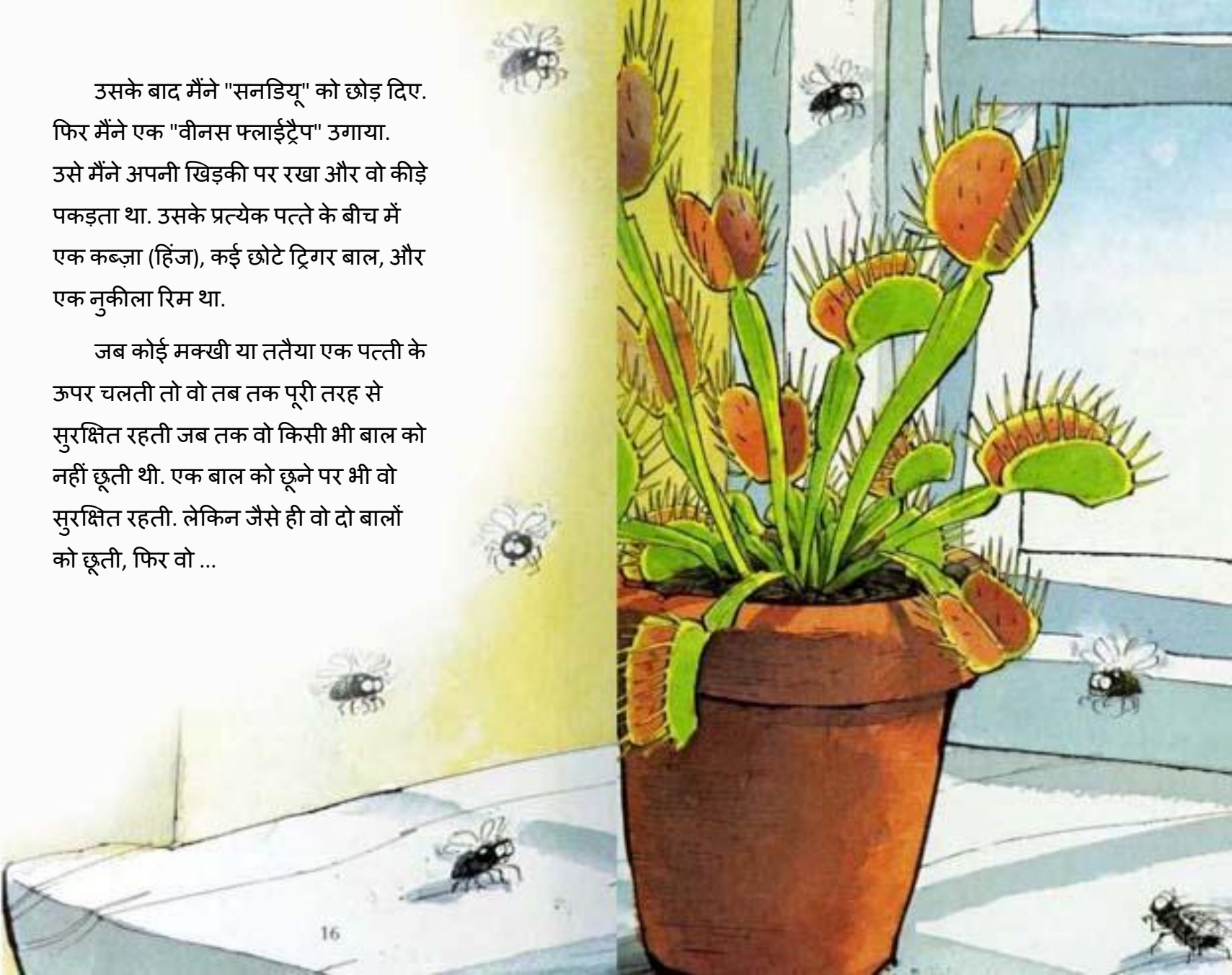

झट से
पकड़ी जाती!

मेरा वीनस फ्लाईट्रैप काफी बढ़िया उग रहा था, इसलिए मैंने उससे भी कुछ बड़ा उगाने की कोशिश की.

मुझे जो अगला पौधा मिला वो थी "कोबरा लिली".

"कोबरा लिली" भी कीड़े पकड़ती थी, लेकिन असल में वो बहुत ज्यादा काम नहीं करती थी. उसमें कीप (फ़नल) की तरह के पत्ते थे, जिनके किनार फिसलन वाली थी और उनके तल में एक छोटा ताल था. जब कोई कीड़ा रेंगता, तो वे फिसल कर ताल में गिर जाता और फिर बाहर नहीं निकल पाता था. इसलिए वे वहीं पड़ा रहता था और अंत में लिली के लिए सूप बन जाता था!

मैं "कोबरा लिली" से काफी खुश था. निश्चित रूप से वो मांसाहारी पौधों में सबसे बड़ी थी. लेकिन तभी एक दोस्त ने मुझे "पिचर प्लांट" के बारे में बताया. पिचर प्लांट और भी बड़े होते हैं, उसने कहा, लेकिन उन्हें उगाना और बड़ा करना बहुत मुश्किल होता है. मैंने सोचा कि मैं कहीं से कुछ जंगली पौधे ढूंढकर लाऊंगा.

इसलिए मैं उन्हें
खोजते-खोजते मलेशिया पहुंचा.

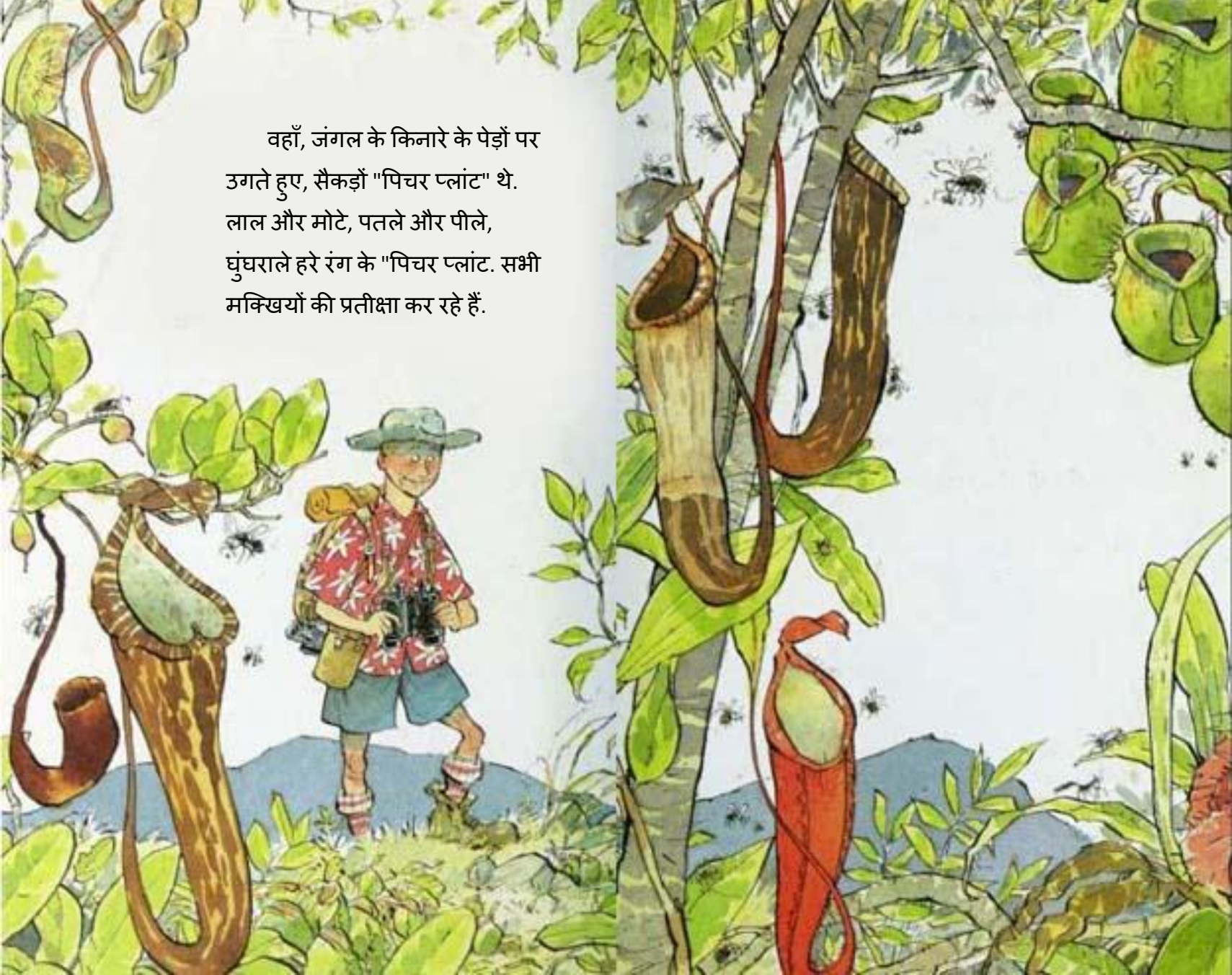

वहाँ, जंगल के किनारे के पेड़ों पर
उगते हुए, सैकड़ों "पिचर प्लांट" थे.
लाल और मोटे, पतले और पीले,
घुंघराले हरे रंग के "पिचर प्लांट. सभी
मक्खियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं.

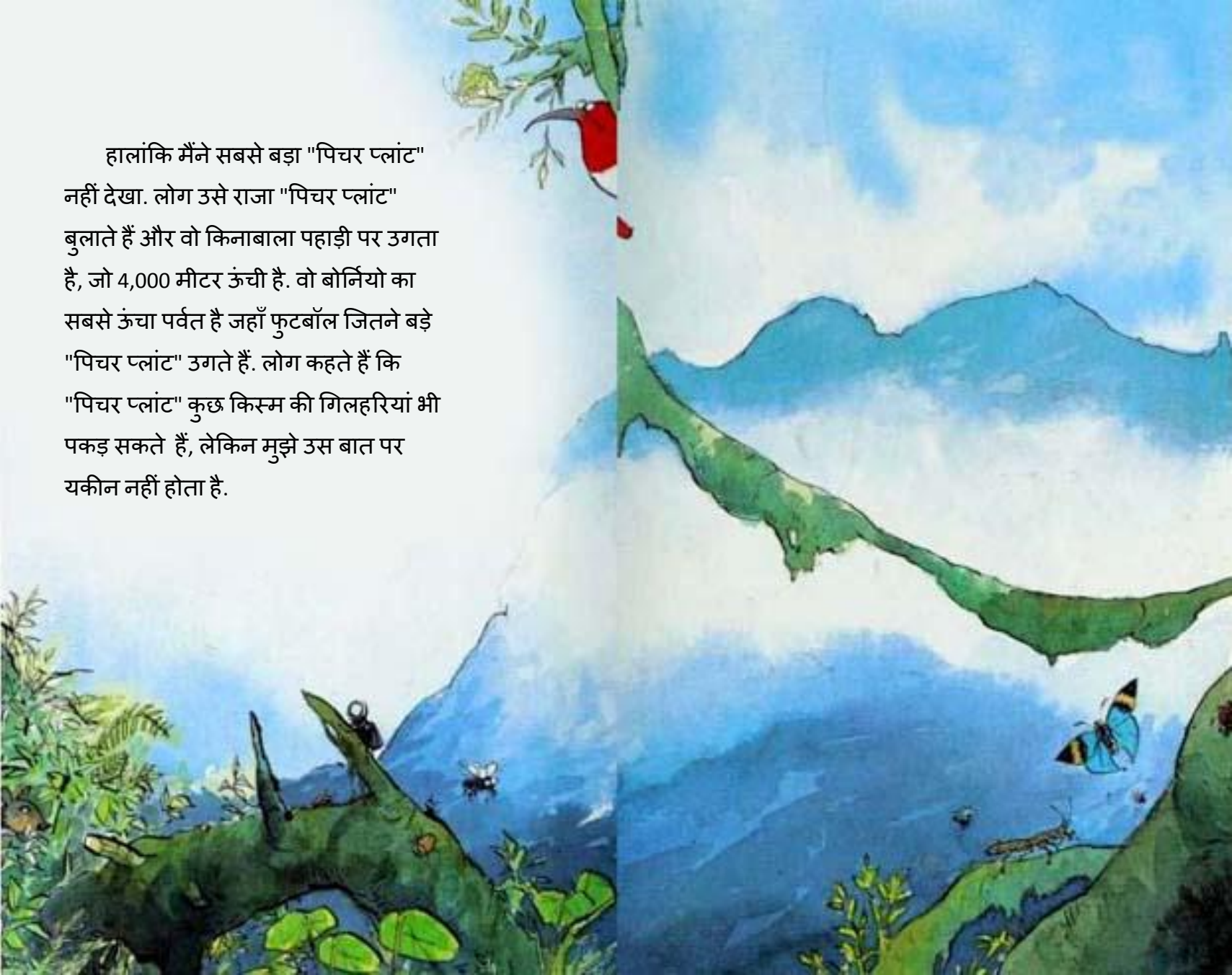

हालांकि मैंने सबसे बड़ा "पिचर प्लांट" नहीं देखा. लोग उसे राजा "पिचर प्लांट" बुलाते हैं और वो किनाबाला पहाड़ी पर उगता है, जो 4,000 मीटर ऊंची है. वो बोर्नियो का सबसे ऊंचा पर्वत है जहाँ फुटबॉल जितने बड़े "पिचर प्लांट" उगते हैं. लोग कहते हैं कि "पिचर प्लांट" कुछ किस्म की गिलहरियां भी पकड़ सकते हैं, लेकिन मुझे उस बात पर यकीन नहीं होता है.

एक दिन मैं वहां खुद जाकर उन्हें
अपनी आँखों से देखूंगा ...

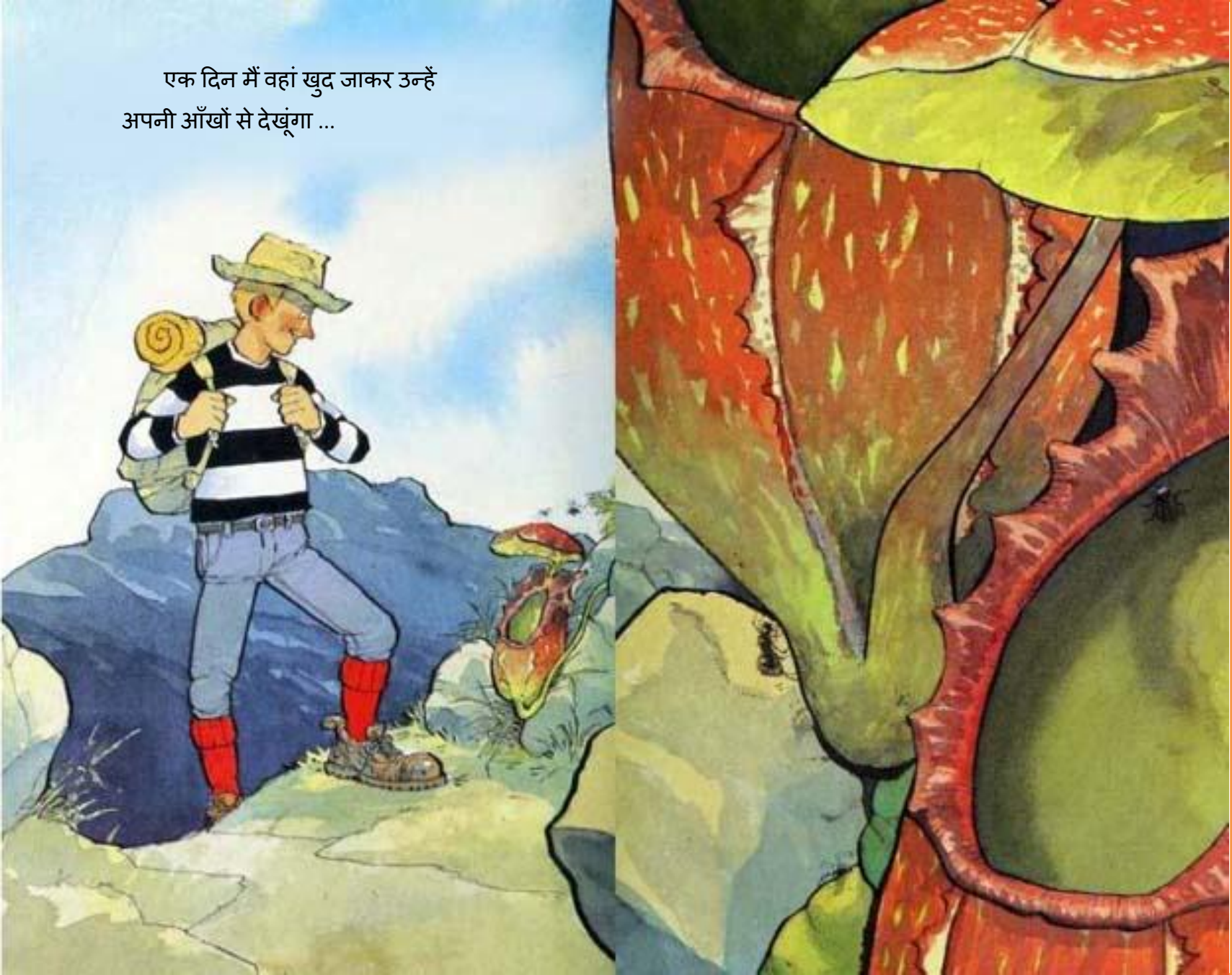

फ्लाई ट्रैप पौधों के बारे में अधिक जानकारी

विश्व में सैकड़ों विभिन्न किस्म के मांसाहारी पौधे होते हैं और वे दुनिया भर में उगते हैं.

कोबरा लिली का नाम उनके पत्तों के आकार के ऊपर पड़ा है. वो कोबरा सांप के फन जैसे दिखते हैं. न कि इसलिए कि सांप उन्हें खाते हैं! उत्तरी अमेरिका में कोबरा लिली के पत्ते, 45-सेंटीमीटर बड़े हो सकते हैं.

दुनिया में 200 से अधिक विभिन्न प्रकार के "ब्लैडरवर्थ" होते हैं. उनमें से ज्यादातर तालाबों और नदियों में उगते हैं. वे आमतौर पर काफी छोटे होते हैं. उनके पत्ते और तने पतले होते हैं. अपने "ट्रैपडोर" पिंजड़े को सेट करने के लिए, "ब्लैडरवर्थ" अपने ब्लैडर में से पानी बाहर फेंकते हैं."

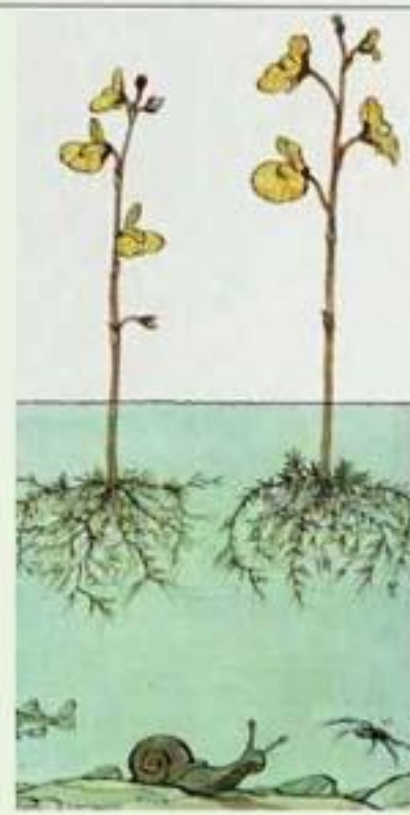

और जब "ट्रैपडोर खुलता है, तो पानी उसके अंदर घुस जाता है और अपने साथ कीड़े को भी खींचता है. "ब्लैडरवर्थ" के ब्लैडर में विशेष रसायनों का निर्माण होता है. उनसे कीड़ा घुल जाता है और फिर पौधा उसे चूस लेता है.

पूरी दुनिया में 80 से अधिक प्रकार के "सनडियू" पाए जाते हैं. इनमें विशाल अफ्रीकी "सनडियू" सबसे बड़े होते हैं. उनके पत्ते, 45-सेंटीमीटर लंबे हो सकते हैं.

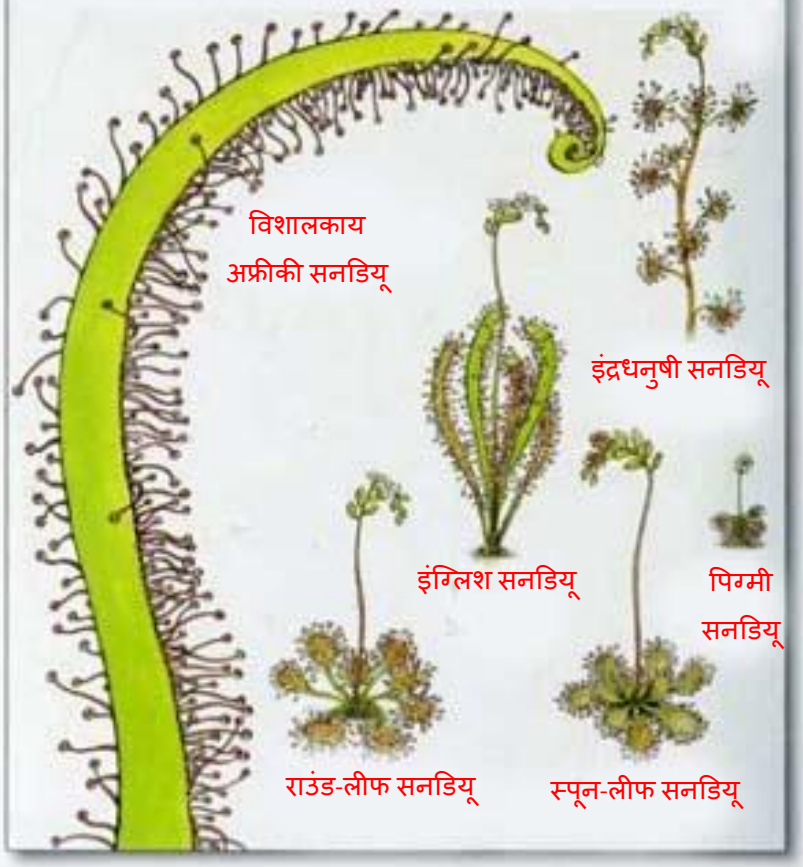

जब कोई कीड़ा सनडियू में फंसता है, तब धीरे-धीरे पत्तियां उसे चारों ओर से घेरती है. फिर कीड़ों के नरम टुकड़े रसायन में घुल जाते हैं और पौधा उन्हें खा लेता है. बाद में पत्ती फिर से खुलती है और बचे हुए कीड़े के अवशेष नीचे गिर जाते हैं.

"बटरवर्ट" जानवर खाने वाले पौधे होते हैं और वे भी अक्सर सनडियू वाले स्थानों पर ही उगते हैं. उनके पत्ते "फ्लाईपेपर" जैसे चिपचिपे और चपटे होते हैं. छोटे कीड़े उनकी पत्तियों पर चिपक जाते हैं और धीरे-धीरे करके घुल जाते हैं.

वीनस फ्लाईट्रैप केवल उत्तरी अमेरिका के एक छोटे हिस्से में पाए जाते हैं. वे अब दुर्लभ हो गए हैं क्योंकि जिन दलदलों में वे पाए जाते थे उन्हें अब लोगों ने खोद डाला है.

चींटियों जैसे छोटे कीड़े, वीनस फ्लाईट्रैप से बच सकते हैं - क्योंकि वे बहुत छोटे होते हैं इसलिए वे खाने लायक नहीं होते हैं! पर मक्खियां और ततैये, चींटियों से अलग होती हैं. एक बार पकड़े जाने के बाद, वे जितना अधिक भागने की कोशिश करती हैं, पत्ती उन्हें उतनी ही ज़ोर से दबाती है. पत्ती पूरी तरह से बंद होने के बाद अपने शिकार को घोलना शुरू करती है.

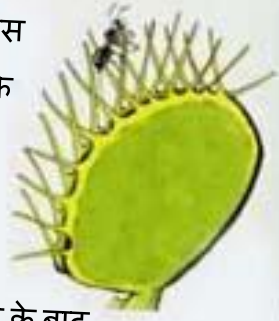

पिचर-प्लांट्स उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) देशों में पाए जाते हैं. अधिकांश मांसाहारी पौधों की तरह, वे आमतौर पर वहां उगते हैं जहां मिट्टी बिल्कुल नहीं होती है या फिर बहुत खराब होती है. पिचर-प्लांट्स के पत्ते फूलदान की तरह दिखते हैं, और वे कोबरा लिली की तरह ही कीड़ों को पकड़ते हैं. कुछ किस्म की मकड़ियां और कुछ छोटे मेंढक पिचर-प्लांट्स के अंदर रहने में कामयाब होते हैं. वे फिसलन वाले पक्षों से चिपक रहते हैं और अंदर गिरने वाले कीड़ों को पकड़ते हैं.

समाप्त